डिजिटल तकनीक से उच्च शिक्षा में आ सकती है क्रांति : राज्यपाल

- उच्च शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग विषय पर यूटीयू में कार्यशाला आयोजित
- 11 राजकीय और तीन निजी विवि के कुलपतियों ने तकनीकी शिक्षा पर रखे विचार, गुणवतापरक शिक्षा पर जोर

जागरण संवाददाता, देहरादून : डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में क्रांति लाई जा सकती है। टेक्नोलाजी प्रत्येक चुनौती का समाधान है। जिसका उपयोग टर्निंग प्वाइंट और गेम चेंजर साबित हो सकता है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं व परीक्षा प्रणालियों को हर स्तर पर मजबूत करने के साथ मूल्यांकन प्रणाली में पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता लाई जा सकती है। यह बात राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ओर से आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग के संबंध में यूटीयू में प्रदेश के 11 राजकीय व तीन निजी विवि की कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी प्रयोग के संबंध में शिक्षाविदों ने मंथन किया। कार्यशाला में राज्यपाल ने यूटीयू की सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों से सभी विश्वविद्यालयों को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में हुए चिंतन एवं मंथन के निश्चित ही सार्थक परिणाम निकलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि विवि में तकनीक के उपयोग से जहां कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, वहीं पारदर्शिता भी बढ़ेगी। इस मौके पर उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति डा. ओपीएस नेगी, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके जोशी, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, उत्तरांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि सहित सभी राजकीय विवि के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग को लेकर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ● साभार सूवि

राज्यपाल की पहल पर विवि ने किया आयोजन : प्रो. ओंकार सिंह

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि राज्यपाल की पहल पर विवि ने इसका आयोजन किया। भविष्य में भी विवि की ओर से उच्च शिक्षा में वृद्धि व बेहतर किए जाने के उद्देश्य से इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित करता रहेगा। कहा कि उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में जिम्मेदार, पारदर्शी एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण लाने के प्रयास करेंगे।

कार्यशाला में नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडेशन काउंसिल (नैक) के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय ने उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और मान्यता की भूमिका से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने नैक में उच्च शिक्षा में हो रहे बदलावों पर विचार रखे। बताया कि देश में शिक्षा को निशुल्क नहीं किया जा सकता, बल्कि महंगी गुणवत्ताहीन शिक्षा की जगह सस्ती गुणवत्तापरक शिक्षा पर ध्यान दिए की आवश्यकता है।